सत्यमेव जयते

रोज़गार समाचार

www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

साप्ताहिक

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
(वार्षिक शुल्क : ₹ 350)

खण्ड 37 अंक 38 पृष्ठ 56 | नई दिल्ली 22-28 दिसंबर 2012 | ₹ 8.00

रोज़गार सारांश

बैंक

● सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 3196 सिंगल विंडो ऑपरेटर्स 'ए'/एसडब्ल्यू ओ-ए (लिपिकीय संवर्ग में) की आवश्यकता ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तारीख : 07.01.2013

● दक्षिण मालाबार ग्रामीण बैंक, मालाप्पुरम को 175 अधिकारी जे एम स्केल-I तथा कार्यालय सहायक (बहुउद्देश्यीय) की आवश्यकता ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तारीख : 07.01.2013

● बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को 166 अधिकारी स्केल-I (सहायक प्रबंधक) तथा कार्यालय सहायक (बहुउद्देशीय) की आवश्यकता ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तारीख : 02.01.2013

● गुड़गांव ग्रामीण बैंक को 69 अधिकारी जे.एमजी स्केल-I तथा कार्यालय सहायक (बहुउद्देश्यीय) की आवश्यकता. ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तारीख : 02.01.2013

सं. लो. से. आ.

● संघ लोक सेवा आयोग द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौ सेना अकादमी परीक्षा (I) 2013 की अधिसूचना जारी रिक्तियों की संख्या : 355
अंतिम तारीख : 21.01.2013

भारतीय नौसेना

● नेवल आर्मामेंट डिपो, विशाखापत्तनम को 258 मल्टीटास्किंग स्टाफ (एम.टी.एस.) की आवश्यकता
अंतिम तारीख : प्रकाशन के 30 दिन बाद
भारतीय नौसेना द्वारा आर्टिफिशर अप्रैंटिस (ए. ए.) के लिए नाविकों के रूप में नामांकन हेतु 134 बैच के लिए अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदनपत्र आमंत्रित.
अंतिम तारीख : 06.01.2013

बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सशस्त्र सेनाओं, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों की अन्य रिक्तियों के लिए अंदर के पृष्ठ देखें.

मनोरोग सामाजिक कार्य: एक उभरता हुआ मानसिक स्वास्थ्य व्यवसाय

-उपमेश के. तलवार

मनोरोग संबंधी सामाजिक कार्य, सामाजिक कार्य की एक विशेषज्ञतापूर्ण शाखा है, जो मुख्य रूप से मन एवं उससे जुड़े रोगों की समस्याओं को सुलझाने वाले मनोरोगविज्ञान के सैद्धांतिक एवं नैदानिक कार्य एवं ज्ञान से संबंधित है. मनोरोग संबंधी सामाजिक कार्य का मुख्य उद्देश्य मन की समस्याओं और/या व्यवहार संबंधी समस्याओं या स्पष्ट कहें तो मन एवं मस्तिष्क की समस्याओं से ग्रस्त व्यक्तियों की सेवा करना है.

यह सेवा मानसिक या भावात्मक रूप से व्यथित व्यक्तियों के लिए अनुभव की जा रही आवश्यकता के परिणामस्वरूप विकसित हुई है. इन व्यक्तियों की सहायता, उनके प्रबंधन में मन एवं मस्तिष्क की समस्याओं के लिए उत्तरदायी उनके सामाजिक और/या वातावरणिक तथ्यों को समझ कर अधिक प्रभावी रूप में की जा सकती है. व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता मनोरोग या व्यवहार-समस्याओं से ग्रस्त मरीजों का व्यापक रूप में उपचार करने वाले मनोरोग उपचार दल का योग्यता प्राप्त सदस्य होता है. ये व्यवसायी रोग का पता लगाने, रोगी की देखरेख एवं उपचार करने और अंततः रोगियों का परिवार में और समाज में पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से सामाजिक कार्य सिद्धांतों एवं तकनीकों का उपयोग करते हैं. इसके अतिरिक्त, वे मानसिक विक्षिप्त व्यक्तियों को थेरापेटिक उपचार, समाज में उन्हें पुनः स्थापित करने, परेशानी में सहायता करने तथा समाज में अनुपलब्ध सेवाएं देने जैसी अन्य सेवाएं भी देते हैं. मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता (पी.एस.डब्ल्यू.) मनोरोगविज्ञानी, शिशु मार्गदर्शन क्लीनिक, समाज-सेवा विभाग के निकट सहयोग में मनोरोग अस्पताल में टीम के एक सदस्य के रूप में कार्य करते हैं और वे मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों के लिए परिवारों एवं समाज में अपनी सेवाएं भी देते हैं. मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका तथा जिम्मेदारी तीव्र गति से बढ़ रही है और अब वे केवल अस्पताल अथवा मनोरोग चिकित्सालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि विभिन्न सार्वजनिक कार्यकलापों में मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सक के रूप में तथा व्यक्तियों के लिए सरकार की निवारक स्वास्थ्य योजनाओं में सहायता करने के लिए नई चुनौतियों को स्वीकार कर रहें हैं.

मानसिक स्वास्थ्य व्यवसाय से वे सभी व्यवसायी जुड़े होते हैं जो किसी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाने या मानसिक रोग के उपचार में अपनी सेवाएं देते हैं. इन व्यवसायियों में मनोरोग चिकित्सक, क्लीनिकल/मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता, क्लीनिकल/मनोवैज्ञानिक, मनोरोग नर्स, मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार, व्यावसायिक परामर्शदाता, फार्मासिस्ट तथा कई अन्य व्यवसायी शामिल हैं. ये व्यवसायी प्रायः एक समान रोग, बीमारी, स्थितियों से निपटते हैं, किंतु उनके व्यवसाय का कार्य-क्षेत्र अलग-अलग होता है, इन मानसिक स्वास्थ्य व्यवसायियों के बीच, विधियों तथा अपेक्षित शिक्षा एवं प्रशिक्षण की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण अंतर होता है.

मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता: वे क्या करते हैं?

कोई भी मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता मानसिक स्वास्थ्य व्यवसायी, मनोरोगविज्ञानी तथा रोगियों के परिवारों की सहायता उसी तरह करते हैं, जिस तरह परामर्शदाता तथा मनोवैज्ञानिक करते हैं. उनका मुख्य कार्य रोगियों का मूल्यांकन करना और रोगियों की देखरेख की विशेष योजनाओं का विकास करना है, वे रोगियों को थेरेपी या परामर्श सेवाएं भी देते हैं और परिवार में मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्ति की देख-रेख करने में परिवार के सदस्यों की सहायता करते हैं. मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता निवासियों, उनके परिवारों, एजेंसी स्टाफ तथा अन्य व्यक्तियों से विशिष्ट वार्ता करते हैं और समर्थक जांच, निवासियों तथा उनके परिवारों द्वारा अपेक्षित सेवाओं के माध्यम से प्रत्येक निवासी तथा उसके परिवार की देखरेख की सामाजिक योजना तैयार तथा विकसित करते हैं, जिसमें सीधे परामर्श देना, अन्य एजेंसी समर्थक सेवाओं द्वारा दिया जाने वाला उपचार और/या उनका मामला अन्य एजेंसियों को भेजना शामिल है; वे व्यक्तिगत या सामूहिक थेरेपी सत्र चलाते हैं, उपचार (थेरापेटिक) तकनीकों में अन्य एजेंसी समर्थक स्टाफ को अनुदेश एवं निर्देश देते हैं, रेफरल एजेंसियों से सेवाओं की व्यवस्था करते हैं, निवासी एवं परिवार की सामाजिक स्थिति की आवश्यकता के अनुसार मूल्यांकन करते हैं, देखरेख की यथा उल्लिखित सामाजिक योजना में संशोधन करते हैं; निवासी तथा परिवार को यथा उपयुक्त सेवाओं के कार्य क्षेत्रों की जानकारी देते हैं, आवश्यकता होने पर सीधे समस्या समाधान सेवाएं देते हैं, केस रिकॉर्ड रखते हैं और रिपोर्ट तैयार करते हैं; देखरेख की बहुविषयीय योजनाओं के विकास तथा उनके मूल्यांकन कार्य में भाग लेते हैं, अंतर विषयीय सक्रिय उपचार योजनाओं के विकास को सुसाध्य बनाते हैं, सक्रिय उपचार लक्ष्यों के संबंध में प्रगति का मासिक सार लिखते हैं तथा तिमाही एवं वार्षिक रूप में सक्रिय उपचार योजना की अंतर विषयीय समीक्षाओं की व्यवस्था करते हैं.

उनके विशेष कार्य दायित्वों में रोगियों एवं उनके परिवारों को उपचार योजनाएं समझाना, रोगियों का रिकॉर्ड रखना, रिपोर्ट तैयार करना, उपचार लक्ष्यों की प्रगति पर निगरानी रखना तथा सक्रिय उपचार योजनाओं का वार्षिक मूल्यांकन करना शामिल है.

मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता (पी.एस.डब्ल्यू) के लिए व्यापक कार्य-अवसर हैं. ये केस प्रबंधक, रिसर्चर, रिहेबिलीटेटर के रूप में, विकट मनोरोग अस्पतालों में, मानसिक स्वास्थ्य तथा सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य तथा बहु-विषयीय टीम में कार्य कर सकते हैं.

मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता मानसिक स्वास्थ्य रोगों से जूझ रहे व्यक्तियों को, इन समस्याओं का सामना करने तथा महत्वपूर्ण सामाजिक सेवाएं प्राप्त करने में उनकी सहायता करते हैं. यह व्यवसायी रोगियों तथा उनके परिवारों को परामर्श देता है और उन्हें वित्तीय संसाधन एवं चिकित्सा सेवाएं-दोनों दिलाने में उनकी सहायता करते हैं. वे ठीक हो रहे रोगियों के आवासन तथा कार्य तैनाती विकल्पों का भी पता लगाते हैं, मानसिक स्वास्थ्य सामाजिक कार्यकर्ता अंतरंग रोगी मनोरोग अस्पतालों, बहिरंग रोगी मानसिक स्वास्थ्य केन्द्रों, कारावास एवं सरकारी सामाजिक सेवा कार्यालयों सहित कई विभिन्न संस्थापनाओं में कार्य प्राप्त करते हैं.

अधिकांश मामलों में, किसी कारावास या मनोरोग अस्पताल में मानसिक रोग ग्रस्त व्यक्ति को, चिरकालिक मामलों में सहायता करने के लिए मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्त किया जाता है. कुछ व्यक्ति, वित्तीय, चिकित्सा या व्यक्तिगत सहायता प्राप्त करने की जानकारी लेने के लिए स्वैच्छिक सहायता लेते हैं. कई लाइसेंस प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता रोगियों, उनके परिवार के सदस्यों तथा उनकी देखरेख करने वालों को मानसिक रोगों के बारे में तथा रोगों का सामना करने के श्रेष्ठ उपायों की जानकारी देने के लिए अंतर-वैयक्तिक परामर्श सेवाएं देते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता रोगियों द्वारा झेली जा रही विशेष समस्यों का पता लगाते हैं और एक औपचारिक पोर्टफोलियों में विस्तृत सूचना दर्ज करते हैं.

अधिकांश मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं का मुख्य उद्देश्य रोगियों को समाज में स्वतंत्र रूप से रहने तथा कार्य करने में सहायता करना होता है. ऐसा व्यवसायी अंतरंग रोगियों के लिए अस्पतालों, अपूर्ण मकानों या सहायता प्राप्त रहन-सहन सुविधाओं में रहने के लिए विशेष स्थितियों की व्यवस्था करते हैं. वह कार्य-संभावनाओं का पता लगाने और ग्राहक की स्थितियों की जानकारी देने के लिए संभावित नियोक्ताओं से भी सम्पर्क कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता गैर-लाभग्राही सामाजिक संगठनों या सरकारी कार्यालयों से सेवाएं तथा वित्तीय सहायता प्राप्त करने में रोगियों तथा उनके परिवारों की सहायता करते हैं. एक अच्छा मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता रोगियों को तथा उसके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त परामर्श देगा और उन्हें वित्तीय तथा चिकित्सा संसाधन दिलाने में मार्गदर्शन करेगा. वे ठीक हो रहे रोगियों के लिए आवासन एवं रोज़गार से जुड़े अवसरों का पता लगाने जैसे कार्य भी करेंगे. मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता विभिन्न प्रकार की संस्थाओं जैसे बहिरंग रोगी एवं अंतरंग रोगी मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा केन्द्रों, कारावास तथा सरकार द्वारा संचालित समाज सेवा केन्द्रों द्वारा कार्यों पर रखे जाते हैं.

अधिकांश समय, जब कोई रोगी किसी मानसिक अस्पताल या कारावास में होता है, तब किसी सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्त किया जाता है, ऐसा चिरकालिक मानसिक स्वास्थ्य मामलों से निपटने में सहायता करने के लिए किया जाता है. अधिकांश सामाजिक कार्यकर्ता, मानसिक स्वास्थ्य तथा इससे निपटने के श्रेष्ठ उपायों के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए रोगियों के परिवार के सदस्यों तथा अन्य देखरेखकर्ताओं को अंतर वैयक्तिक परामर्श देंगे. एक अच्छा मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता रोगियों द्वारा झेली जा रही समस्याओं का पता लगाने में प्रशिक्षित होता है और वह रोगियों से संबंधित सभी विवरण एक पोर्टफोलियों में लेता है. इस कार्य का उद्देश्य रोगी को यथासंभावित विश्वास के साथ समाज में सक्रिय रखने एवं कार्य करने में उसकी सहायता करना है.

(शेष पृष्ठ 56 पर)

ई-संस्करण (उर्दू)

रोज़गार समाचार, रोज़गार समाचार (उर्दू) का ई-संस्करण प्रारंभ करने की घोषणा करता है. यह केवल रोज़गार समाचार (हिंदी) वेबसाइट पर जल्दी ही निःशुल्क उपलब्ध होगा. पाठकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट **www.rojgarsamachar.gov.in** पर जा कर किसी भी समय एवं कहीं भी अपनी सुविधानुसार रोज़गार समाचार (उर्दू) पढ़ सकते हैं.

ई-संस्करण कैसे देखें:

वेबसाइट **www.rojgarsamachar.gov.in** पर जाएं ई-संस्करण (उर्दू) के लिंक पर क्लिक करें.

दिल्ली पोस्टल पंजीकरण संख्या डीएल-एसडब्ल्यू 1/4100/2012-14 यू. (सी.)-107/2012-14 पूर्व शुल्क के बिना डाक में डालने की अनुमति आर.एन.आई.28729/76 एन.डी.पी.एस.ओ. नई दिल्ली 22/24.12.2012 (₹ 8) प्रकाशन तिथि : 20.12.2012

मनोरोग सामाजिक कार्य : ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है कोई भी मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता रोग के भावी रोज़गार तथा आवासन की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता कर सकता है. ऐसा, संभावित नियोक्ताओं तथा भू-स्वामियों से सम्पर्क स्थापित करके एवं व्यक्ति की आवश्यकताओं की जानकारी देकर किया जाता है. सामाजिक कार्यकर्ता रोगियों को, विभिन्न सरकारी संगठनों, गैर-लाभग्राही संगठनों एवं गैर-सरकारी संगठनों से वित्तीय सहायता लेने में भी सहायता करते हैं. एक मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए प्रमाण के लिए कुछ न्यूनतम योग्यताएं आवश्यक होती हैं. इस क्षेत्र में आने के लिए मास्टर डिग्री के साथ कुछ वर्षों का पर्यवेक्षण अनुभव होना न्यूनतम अपेक्षा है. कुछ देशों तथा राज्यों में, प्रैक्टिस करने का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है.

मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता की नैदानिक एवं गैर-नैदानिक भूमिका:

पी.एस.डब्ल्यू. नैदानिक एवं गैर नैदानिक व्यवसायियों के निकट सहयोग में तथा दोनों प्रकार के कार्य-नैदानिक एवं गैर-नैदानिक करते हैं. **नैदानिक सामाजिक कार्य** में निम्नलिखित एक या अधिक कार्य शामिल हो सकते हैं

- स्वागत-रोगियों को दाखिल करना.
- रोगी का निदान/विश्लेषण
- उपचार
- रोगी का पुनर्स्थापन
- पूर्व स्वास्थ्य लाभ
- पूर्व-पैरोल सेवाएं
- अनुवर्ती-देखरेख पश्चात
- केस इतिहास रोगी के साथ केस कार्य
- संबंधियों के साथ केस कार्य
- स्टाफ ओरिएंटेशन
- देखरेख का समर्थन
- अतिसंवेदनशीलता बनाए रखना
- न्यायिक प्रैक्टिस कार्य उपलब्ध कराना
- सामाजिक स्वास्थ्य में वृद्धि करना
- जटिल एवं अति-जोखिम के मामलों के लिए केस प्रबंधन देना
- नैदानिक पर्यवेक्षण या नैदानिक कार्यक्रमों के निदेश देना
- मनो-सामाजिक उपचार देना.

गैर-नैदानिक कार्य में निम्नालिखित शामिल हो सकते हैं:-

- मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन
- कार्यशाला-संचालन
- केस रिकॉर्ड बनाना
- केस निर्धारण
- संदर्भ सेवा देना
- मनोरंजनात्मक थेरेपी देना
- कार्यक्रम प्रशासन
- स्वास्थ्य स्वयं सेवियों के लिए प्रशिक्षण
- मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कैम्प
- कार्यक्रम नियोजन एवं विकास
- शिक्षा एवं संसाधन देना
- सामुदायिक सेवाओं या कार्यक्रमों का प्रशासन
- बृहद सामुदायिक कार्यक्रमों या सेवाओं के लिए ग्राहक आवश्यकताओं का निर्धारण
- सेवा डिलीवरी समन्वय और/या मूल्यांकन
- अप्राप्त सेवा आवश्यकताओं वाले व्यक्ति या समूहों की ओर से समर्थन
- समाज-कल्याण नीति का विश्लेषण एवं विकास
- संगठनात्मक विश्लेषाण
- सामुदायिक आवश्यकताओं एवं समस्याओं के बारे में प्रशिक्षण की व्यवस्था
- मनोरोग रोगियों के मानव अधिकार

मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता कौन बन सकता है?

हमारे देश में, कोई भी व्यक्ति जो सामाजिक कार्य में या समाज-विज्ञान में न्यूनतम 55% अंकों की नियमित स्नातकोत्तर डिग्री रखता है, मनोरोग सामाजिक कार्य में एम.फिल या पीएच.डी. के लिए पात्र होता, किंतु वरीयता एम.एस.डब्ल्यू के साथ चिकित्सा एवं मनोरोग विशेषज्ञता रखने वालों को वरीयता दी जाती है. मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से एक पूर्णकालिक आवासीय क्लीनिकल कार्यक्रम के रूप में मनोरोग सामाजिक कार्य में एम.फिल या पीएच.डी. एक न्यूनतम अपेक्षा है. तथापि, मनोरोग सामाजिक कार्य के इच्छुक व्यक्ति प्रायः अपने स्नातकोत्तर अध्ययन में सामाजिक कार्य विषय चुनते हैं, किंतु सामाजिकी में स्नातकोत्तर उम्मीदवारों को कुछ संस्थानों में द्वितीय प्राथमिता दी जाती है. तथापि, मनोरोग चिकित्सा अस्पताल जैसे कई नियोक्ताओं को केवल चिकित्सा एवं मनोरोग सामाजिक कार्य में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्य में मास्टर (एम.एस.डब्ल्यू.) की आवश्यकता होती है.

अन्य देशों में, पी.एस.डब्ल्यू में एम.फिल/पीएच.डी. के अतिरिक्त नए मनोरोग सामाजिक कार्य व्यवसायी को मनोरोग सामाजिक कार्य की प्रैक्टिस करने के लिए एक लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है तथा मनोरोग सामाजिक कार्य की स्वतंत्र प्रैक्टिस करने के लिए उन्हें लाइसेंस दिया जाता है. लाइसेंस प्रदान करने की परीक्षा मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा व्यावसायिक प्रैक्टिस करने तथा उसे अपने कार्य की बुनियादी आवश्यकताओं, कानूनी मामलों-जो अलग-अलग देशों में अलग-अलग होते हैं, तथा गोपनीय प्रैक्टिस एवं व्यावसायिक नीतिशास्त्र के महत्व की पूर्ण जानकारी सुनिश्चित करने के लिए ली जाती हैं.

हमारे देश में मनोरोग सामाजिक कार्य में अत्यधिक विशेषज्ञतापूर्ण अनुसंधान डिग्री (एम.फिल. या पीएच.डी.) कार्यक्रम चलाने वाले कुछ प्रमुख संस्थान निम्नलिखित हैं:-

- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स), होसूर रोड, बंगलोर, कर्नाटर.
- रांची तंत्रिका-मनोरोग एवं समवर्गी विज्ञान संस्थान (आरआईएनपीएएस), झारखंड सरकार, कांके, रांची, झारखंड
- केन्द्रीय मनोरोग चिकित्सा संस्थान (सीआईपी), भारत सरकार, कांके, रांची, झारखंड
- स्नाातकोत्तर व्यवहार एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
- पंडित बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
- लोकप्रिय गोपीनाथ बार्दोलोई क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, सोनितपुर, तेजपुर, असम

इन संस्थानों के अतिरिक्त दिल्ली, अमृतसर, आगरा, ग्वालियर तथा कोलकाता में अनेक अन्य ऐसे संस्थान हैं, जिनकी मनोरोग सामाजिक कार्य में एम.फिल प्रदान करने के प्रशिक्षण कार्यकम प्रारंभ करने की योजना है.

कौशल एवं ज्ञान

कोई भी व्यावसायिक पी.एस.डब्ल्यू, प्रशिक्षण के दौरान दिए जाने वाली कुशलता, व्यापक सामाजिक कार्य पद्धत्तियों एवं सिद्धांतों, विभिन्न साक्षात्कार तकनीकों, मनोरोग निर्धारण सिद्धांतों तथा मूल्यांकन पद्धतियों के ज्ञान, प्राकृतिक मानव विकास तथा व्यवहार के ज्ञान, व्यक्तिगत, समूह एवं परिवार-थेरेपी में प्रयुक्त मानसिक स्वास्थ्य उपचार रीतियों के ज्ञान, स्वास्थ्य एवं कल्याण संसाधनों तथा इन संसाधनों के उपयोग के तरीकों के ज्ञान, कार्यक्रम एवं नियोजन तकनीकों के ज्ञान, चिकित्सा विवरण लिखने एवं मानसिक स्वास्थ्य जांच करने की क्षमता आई.सी.डी-I एवं डी.एस.एम.-IV मानसिक तथा व्यवहार रोग (व्यक्तित्व विकार, सायकोएक्टिव सबस्टेन्स यूज डिसोर्डर्स, स्किजोफ्रेनिया, मूड एफेक्टिव डिसोर्डर्स, न्यूरोटिक स्ट्रेस से जुड़े एवं सोमाटोफोर्म डिसोर्डर्स, पोस्ट ट्रामाटिक स्ट्रेस डिसोर्डर्स आदि) तथा उनके निदान के मानदण्ड के ज्ञान, मनोरोग विज्ञान (इल्यूजन, हेलूसिनेशन, डिल्यूजन, नियोलोग्जिम, पर्सिविरेशन एवं सर्कम्स्टेंशियलिटी आदि) के ज्ञान, केस प्रस्तुत एवं प्रदर्शित करने के ज्ञान, सांस्कृतिक सिंड्रौम के बारे में ज्ञान, क्राइसिस इंटरवेंशन तकनीकों के ज्ञान, रोगी अधिकारों एवं मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम विनियमों और फेडरल तथा राज्य कार्यक्रमों से संबंधित प्रैक्टिस तथा निवासियों के अधिकारों के ज्ञान, मनोसामाजिक उपचार के ज्ञान, वैयक्तिक सामाजिक सेवा आवश्यकताओं का मूल्यांकन करने तथा मनोसामाजिक प्रबंधन योजना बनाने की क्षमता व्यक्तिगत विशिष्टता को सम्मान देने की क्षमता, एजेंसी नीति का पालन करने और रचनात्मक पर्यवेक्षकीय निदेश तथा परामर्शी सुझाव स्वीकार करने की क्षमता; एजेंसी स्टाफ तथा अन्यों के साथ प्रभावी रूप में कार्य करने की क्षमता तथा मौखिक एवं लिखित रूप में प्रभावी अभिव्यक्ति की क्षमता से सम्पन्न होता है.

संभावना

आज, एक मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सरकारी तथा निजी क्षेत्र में मनोरोग सामाजिक कार्य के कई रोज़गार अवसर हैं और वे मनोरोग अस्पताल, मनोरोग वार्डों, क्लीनिक, सामान्य अस्पतालों में, मनोरोग विभाग या एकक में, सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में तथा अस्पताल में सलाहकार के रूप में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं और अच्छा वेतन भी प्राप्त कर सकते हैं.

ऐसे विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों की सूची नीचे दी गई है जहां मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में रोज़गार के अवसर तलाश कर सकते हैं:-

- मानव व्यवहार एवं समवर्गी विज्ञान संस्थान, (आई.एच.बी.ए.एस.), झिलमिल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली
- मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं अस्पताल, आगरा, उत्तर प्रदेश
- मानसिक अस्पताल, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- ग्वालियर मानसिक अरोग्यशाला, ग्वालियर, म.प्र.
- रांची तंत्रिका मनोरोग एवं समवर्गी विज्ञान संस्थान (आर.आई.एन.पी.ए.एस.), रांची, झारखंड
- केन्द्रीय मनोरोग संस्थान, रांची, झारखंड
- जी.बी.पंत अस्पताल, अगरतला,
- मानसिक अस्पताल, इंदौर (म.प्र.)
- मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, अमृतसर, पंजाब
- एल.जी.बी. क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, तेजपुर
- मानसिक स्वास्थ्य केन्द्र, तिरुवनंतपुरम
- मानसिक सुरक्षा केन्द्र, विशाखापत्तनम
- मनोरोग एवं मानव व्यवहार संस्थान, गोवा
- मनोरोग केन्द्र, जयपुर, राजस्थान
- मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल, एस.सी.बी. चिकित्सा कॉलेज, कटक (ओडीसा)
- मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल, जामनगर (गुजरात)
- क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल, यर्वदा, पुणे, महाराष्ट्र
- क्षेत्रीय मानसिक अस्पताल, थाणे
- पलवल मानसिक अस्पताल, कोलकाता
- लुंबिनी पार्क मानसिक अस्पताल, कोलकाता

कई अनुभवी मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता सार्वजनिक नीतियां बनाने, नए कार्यक्रम बनाने पर सरकारी अधिकारियों को सलाह देने, समाज में व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकताओं को सुगमता से पूरा करने में व्यस्त हैं और वे मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अथवा प्रशासक बन गए हैं. एक व्यवसायी के रूप में वे संबंधित संस्था में अध्यापन संकाय बनने के लिए डाक्टोरल कार्यक्रम कर सकते हैं. मन एवं मस्तिष्क की समस्याओं का उपचार करने वाले अस्पताल की सभी संस्थापनाओं में और अधिक मानसिक स्वास्थ्य व्यवसायियों, मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं, नैदानिक मनोवैज्ञानिक तथा व्यावसायिक मनोरोग मानवविज्ञानियों की और प्रायः स्वयं को समाज अलग अनुभव करने वाले व्यक्तियों को उनकी आशा का समाधान करने वाले की आवश्यकता है. मनोरोग सामाजिक कार्य एक ऐसा समानांतर क्षेत्र है जो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अन्य संबंधित समस्याओं से ग्रस्त व्यक्तियों की सहायता करता है तथा मनोरोग के रोगियों को महत्वपूर्ण सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है.

(लेखक सामाजिक कार्य विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, जिला-कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में सहायक प्रोफेसर हैं. ईमेल: talwarmsw@gmail.com)

नि:शक्त व्यक्तियों के लिए नया कॉलम

सामाजिक और आर्थिक समावेशन सार्थक विकास की कुंजी है. लोकतंत्र का बुनियादी संदेश समग्रता है. अपनी स्थापना के बाद से रोज़गार समाचार नि:शक्त व्यक्तियों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए रोज़गार के समान अवसरों का प्रसार करने पर ध्यान केन्द्रित करता रहा है. हाल के वर्षों में अधिक से अधिक उद्योगों और सेवाओं ने यह महसूस किया है कि योग्य नि:शक्त व्यक्ति बहुमूल्य मानव संसाधन हैं. समाज के इस महत्वपूर्ण वर्ग की अब और अनदेखी नहीं की जा सकती. अनेक क्षेत्रों से रोज़गार समाचार को ऐसे अनुरोध प्राप्त होते रहे हैं कि नि:शक्त व्यक्तियों के लिए रोज़गार के अवसरों की जानकारी प्रकाशित की जाए.

रोज़गार समाचार जनवरी 2013 से **'हुनर से रोज़गार'** नाम का नया कॉलम शुरू कर रहा है और इस पहलू पर ध्यान केन्द्रित करेगा. इस कॉलम में वैकल्पिक माह के दौरान रोज़गार के अवसरों और कौशल उन्नयन पर प्रकाश डाला जाएगा.

अपने ग्राहकों और पाठकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में यह रोज़गार समाचार का एक और महत्वपूर्ण कदम है.

-मुख्य संपादक

रोज़गार समाचार

ईरा जोशी
अतिरिक्त महानिदेशक

अनुराग मिश्रा
निदेशक

दिलबाग सिंह
उप निदेशक
(रोज़गार समाचार)

डॉ. ममता रानी
संपादक

के.पी. मणिलाल
लेखा अधिकारी

सूर्यकांत शर्मा
व्यापार व्यवस्थापक

विनोद कुमार मीणा
संयुक्त निदेशक
(उत्पादन)

पी.के. मंडल
वरिष्ठ कलाकार

नलिनी रानी संपादक (विज्ञापन)

संपादकीय कार्यालय
रोज़गार समाचार
पूर्वी खण्ड IV
तल-5, रामकृष्णपुरम
नई दिल्ली-110066

ई-मेल : **newsedit@gmail.com**
ग्राम : **'Rozgar' New Delhi**

संपादकीय	: 26163055
विज्ञापन	: 26104284
टेलीफैक्स	: 26193012
वितरण	: 26107405
टैलीफैक्स	: 26175516
प्रोडक्शन	: 26177529
लेखा (विज्ञापन)	: 26193179
लेखा (वितरण)	: 26182079

प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के लिए ईरा जोशी, अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित और प्रिंटिंग प्रेस अमर उजाला पब्लिकेशन लिमिटेड, सी-21 व 22, सेक्टर-59, नोएडा-201301 में मुद्रित, रोज़गार समाचार (सूचना और प्रसारण मंत्रालय) ईस्ट ब्लाक-IV, लेवल-5, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110066 द्वारा प्रकाशित, संपादक-डॉ. ममता रानी